ICFRE-RFRI Conducts Digital Hindi Typing Training for Employees

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं ने कर्मचारियों के लिए डिजिटल हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण आयोजित किया।

With the objective of promoting the administrative use of the official language, Hindi, and making office workflows more streamlined and modern, a three-day 'Hindi Typing Training Program' was grandly inaugurated today, May 18, 2026, at the ICFRE-Rain Forest Research Institute at Jorhat, Assam. The training program commenced today and will continue for the next three days, featuring participation from officers and employees of various levels from the institute and its subordinate centers. The program commenced with Dr. Nitin Kulkarni, Director of ICFRE-RFRI, Jorhat, welcoming the Chief Guest, Shri Deepak Kumar Dubey, Assistant Director (Hindi Typing and Hindi Shorthand), Hindi Teaching Scheme, Central Hindi Training Institute, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, by presenting him with a traditional *Phulan Gamocha*.

In his welcome address, Dr. Nitin Kulkarni welcomed all the guests and participants, outlining the structure and significance of this training session. He emphasized that in the digital era, working in the official language, Hindi, is not only our constitutional responsibility but has also become remarkably easy.

In his inaugural address, the Chief Guest stated, "Attaining proficiency in computer-based Hindi typing will bring speed and transparency to office operations. The objective of this training is to eliminate any hesitation regarding typing among the employees."

The technical session commenced immediately following the inaugural function. On the first day of training, the chief instructor, Shri Deepak Kumar Dubey, familiarized the participants with the following fundamental topics:

- A) The importance and universality of Unicode fonts on computers.
- B) An introduction to various keyboard layouts, specifically 'InScript'.
- C**)** Preliminary hands-on practice on computers by the participants.

Immense enthusiasm was observed among the participants on the inaugural day. Over the next two days of the training, the focus will shift toward speed-building

rules and practical exercises in official correspondence. The first day of the program concluded with a vote of thanks extended to the guests in attendance.

राजभाषा हिन्दी के प्रशासनिक प्रयोग को बढ़ावा देने और कार्यालयीन कार्यप्रणाली को अधिक सुगम व आधुनिक बनाने के उद्देश्य से आज दिनांक 18 मई, 2026 को भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम में तीन दिवसीय 'हिन्दी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम' का भव्य उद्‌घाटन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आज से शुरू होकर आगामी तीन दिनों तक चलेगा, जिसमें संस्थान एवं इसके केंद्रों के विभिन्न स्तरों के अधिकारी और कर्मचारी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा मुख्य अतिथि श्री दीपक कुमार दुबे, सहायक निदेशक (हिन्दी टंकण एवं हिन्दी आशुलिपि), हिन्दी शिक्षण योजना, केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली, राजभाषा विभाग, भारत सरकार का फूलम गामोछा द्वारा स्वागत के साथ हुआ। डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण सत्र की रूपरेखा और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। डिजिटल युग में राजभाषा हिन्दी में कार्य करना न सिर्फ हमारा संवैधानिक दायित्व है, बल्कि यह बेहद आसान भी हो चुका है।

अपने उद्‌घाटन भाषण में मुख्य अतिथि ने कहा कि कंप्यूटर पर हिन्दी टंकण की दक्षता आने से कार्यालय के कार्यों में गति और पारदर्शिता आएगी। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों के भीतर से टंकण के झिझक को दूर करना है।" उद्‌घाटन सत्र के ठीक बाद तकनीकी सत्र की शुरुआत हुई। प्रशिक्षण के पहले दिन मुख्य प्रशिक्षक श्री दीपक कुमार दुबे जी द्वारा प्रतिभागियों को निम्नलिखित बुनियादी जानकारियों से अवगत कराया गया:

क) कंप्यूटर पर यूनीकोड (Unicode) फॉन्ट का महत्व और इसकी सार्वभौमिकता।

ख) विभिन्न कीबोर्ड लेआउट 'इनस्क्रिप्ट' (InScript) का परिचय।

ग) प्रतिभागियों द्वारा कंप्यूटर पर शुरुआती अभ्यास (Hands-on Practice)।

उद्‌घाटन दिवस पर प्रतिभागियों में भारी उत्साह देखने को मिला। प्रशिक्षण के अगले दो दिनों में गति बढ़ाने के नियम और पत्राचार के व्यावहारिक अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन का समापन उपस्थित अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ICFRE-RFRI Hindi Typing Training Program Concludes Successfully

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

The three-day Hindi Typing Training Program, organized by the ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam, from May 18 to 20, 2026, concluded successfully today i.e. 20/05/2026. The primary objective of this training was to familiarize participants with the essential skills and techniques required for proficient Hindi typing on computers. A total of 22 personnel were nominated for this training, with maximum attendance from employees belonging to various divisions, sections, and centers of the institute.

During the training program, special emphasis was placed on practical exercises alongside theoretical sessions. The lead instructor, Mr. Deepak Kumar Dubey, Assistant Director (Hindi Typing and Hindi Shorthand), Hindi Teaching Scheme, Central Hindi Training Institute, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, guided the participants through interactive sessions. The key highlights of the training included:

1. Introduction to and practice of keyboard layouts.
2. Various Hindi fonts and their usage.
3. Importance of Unicode-based Hindi typing.
4. Tips and tricks to increase typing speed and accuracy.
5. Active participation in practical sessions and quizzes.
6. Identifying and correcting common errors.
7. Complete preparation for the Hindi typing and Hindi word processing examination, along with familiarity with question paper formats.

The program commenced with a welcome address by Dr. Prem Chandra Gyani, Scientist-B and Link Officer to the Hindi Nodal Officer. The event was graced by the dignified presence of Mr. R.K. Kalita, Scientist-F and Group Coordinator (Research) of the institute. He congratulated the participants on successfully completing the training and extended his best wishes for their future endeavors. Additionally, the instructor advised all trainees to mandatorily practice typing for 10 minutes every day. Following this, participation certificates were distributed to the participants by the Group Coordinator (Research) and the instructor.

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम में तीन दिवसीय हिन्दी टंकण/हिन्दी शब्द संसाधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का गरिमामय समापन

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम द्वारा दिनांक 18 से 20 मई, 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय हिन्दी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफल समापन हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को हिन्दी भाषा में कुशलतापूर्वक संगणक में टंकण करने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीकों से परिचित कराना था। इस प्रशिक्षण में कुल 22 को नामित किया गया था जिनमें से अधिक-अधिक से कर्मचारियों ने भाग लिया, जो संस्थान के विभिन्न प्रभागों, अनुभागों एवं केंद्रों से संबंधित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सैद्धांतिक सत्रों के साथ-साथ व्यावहारिक अभ्यास पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य प्रशिक्षक श्री दीपक कुमार दुबे, सहायक निदेशक (हिन्दी टंकण एवं हिन्दी आशुलिपि), हिन्दी शिक्षण योजना, केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण के प्रमुख बिंदु शामिल थे:

1. कुंजीपटल लेआउट का परिचय और अभ्यास।

2. विभिन्न हिन्दी फॉन्ट और उनके उपयोग।

3. यूनिकोड आधारित हिन्दी टंकण का महत्व।

4. टंकण गति और सटीकता बढ़ाने के लिए टिप्स और ट्रिक्स।

5. व्यवहारिक सत्रों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना और प्रश्नोत्तरी।

6. सामान्य त्रुटियों को पहचानना और सुधारना।

7. हिन्दी टंकण एवं हिन्दी शब्द संसाधन की परीक्षा की संपूर्ण तैयारी एवं प्रश्न-पत्रों के प्रारूप से अवगत होना।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. प्रेम चंद्र ज्ञानी, वैज्ञानिक-बी व हिन्दी नोडल अधिकारी के लिंक अधिकारी के स्वागत भाषण के साथ हुआ। कार्यक्रम में संस्थान के श्री आर.के. कलिता, वैज्ञानिक-एफ व समूह समन्वयक (अनुसंधान) की गरीमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के लिए बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ दीं। साथ ही, प्रशिक्षक महोदय द्वारा सभी प्रशिक्षार्थियों को निर्देश दिया गया कि वे सभी प्रतिदिन 10 मिनट का टंकण अभ्यास अवश्य करें। तत्पश्चात् प्रतिभागियों को समूह समन्वयक (अनुसंधान) और प्रशिक्षक महोदय के कर-कमलों द्वारा सहभागिता प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

Photo Gallery: Highlights of the event: -

ICFRE-RAIN FOREST RESEARCH INST
JORHAT, ASSAM
Director, RFRI

FOREST RESEARCH

RAIN FOREST RESEARCH

CFRE-RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE
ORHAT, ASSAM

CFRE-RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE
HAT, ASSAM